"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ष : 17 अंक : 06 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 20 फरवरी से 26 फरवरी, 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

विकास पहलों ने पूरे भारत में आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश में जारी विकास पहलों ने आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। 'आदि महोत्सव, 2025' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। मुर्मू ने कहा, "हमारे देश का वास्तविक विकास तभी होगा जब हमारे आदिवासी समुदाय आगे बढ़ेंगे।" राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विकास पहलों ने अरुणाचल प्रदेश से लेकर गुजरात और जम्मू–कश्मीर से लेकर अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक के आदिवासी समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा, "इन प्रयासों ने न केवल आदिवासी परिवारों को अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि उनकी संस्कृति और योगदान के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है।" राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन प्रयासों का मूल है, जिससे आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्राप्त

करने में मदद मिलेगी और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। मुर्मू ने यह भी कहा कि शिक्षा के अवसरों को और बढ़ाने के लिए लगभग 250 नए एकलव्य स्कूल निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि लाखों आदिवासी छात्र छात्रावास सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। मुर्मू ने कहा, "शिक्षा किसी भी समाज के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह बहुत संतोष की बात है कि 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) देश भर में 1.25 लाख आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने के लिए आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 30 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। 'आदि महोत्सव', एक वार्षिक उत्सव है, जो आदिवासी विरासत, शिल्प और उद्यमशीलता का जश्न मनाता है और आदिवासी परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

जयशंकर और सार ने की इजराइल को भारत, यूरोप, अमेरिका से जोड़ने के ट्रंप के दृष्टिकोण पर चर्चा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से जर्मनी में मुलाकात की और पश्चिम एशिया के हालात तथा इजराइल के माध्यम से एशिया, यूरोप और अमेरिका को जोड़ने के अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण सहित कई महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की। जयशंकर और सार ने शनिवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर मुलाकात की, जो सुरक्षा–कूटनीतिक मामलों पर चर्चा करने के लिए एक प्रमुख वैश्विक मंच है। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, "एमएससी 2025 के मौके पर इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार से मिलकर खुशी हुई। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर विचार–विमर्श किया। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की मजबूती और महत्व को रेखांकित किया।" इजराइली विदेश मंत्री के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सार ने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक महत्व देता है। बयान में कहा गया कि उन्होंने इजराइल के माध्यम से एशिया, यूरोप और अमेरिका को जोड़ने के ट्रंप के दृष्टिकोण पर चर्चा की। दरअसल, ट्रंप ने वाशिंगटन में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अमेरिका और भारत "इतिहास के सबसे अच्छे व्यापार मार्गों में से एक" के निर्माण में मदद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा था, "यह मार्ग भारत से इजराइल, इटली और फिर अमेरिका तक जाएगा तथा हमारे साझेदारों को बंदरगाहों, रेलमार्गों और समुद्र के नीचे बिछाई गई केबलों से जोड़ेगा। यह एक बड़ा घटनाक्रम है।" पश्चिम एशिया के जरिए भारत को यूरोप तक जोड़ने के लिए एक परियोजना मौजूद है। इस परियोजना की घोषणा नयी दिल्ली में 2023 जी20 शिखर सम्मेलन में की गई थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तब इसे "इतिहास की सबसे बड़ी सहयोग परियोजना" बताया था और कहा था कि यह "पश्चिम एशिया, इजराइल की सूरत बदल देगी तथा पूरे विश्व को प्रभावित करेगी।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सपरिवार किया ताजमहल का दीदार

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शनिवार को सपरिवार विश्व धरोहर स्थल ताजमहल का दीदार करने पहुंचे। ताजमहल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक प्रिंस बाजपेयी ने बताया कि आगरा के दो दिवसीय दौरे पर आये ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सुनक ने पहले दिल अपने परिवार के साथ ताजमहल

परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान सुनक की पत्नी अक्षिता, बेटियां कृष्णा और अनुष्का तथा सास सुधा मूर्ति भी उनके साथ मौजूद थीं। बाजपेयी ने बताया कि सुनक और उनकी पत्नी ने ताजमहल की विजिटर बुक पर भी टिप्पणी लिखी। वे करीब डेढ़ घंटे तक ताजमहल परिसर में मौजूद रहे।

सुनक और उनके परिवार को ताजमहल घुमाने वाले गाइड शमशुद्दीन ने बताया कि सभी ने ताजमहल के इतिहास के बारे में कई सवाल किए। उन्होंने ताजमहल के बारे में विस्तार से जानकारी ली। सहायक पुलिस आयुक्त (ताज सुरक्षा) अरीब अहमद ने बताया कि ताजमहल भ्रमण के दौरान ऋषि सुनक और उनके परिवार को पूरी सुरक्षा प्रदान की गई।

स्कूल का शानदार उद्घाटन...

बहन श्रीमती पूजा श्रीवास्तव के **Smart Kidz Playway school** (गुलरिया थाना के पीछे) उद्घाटन हुआ. हम सभी को इसमें शिरकत करने का अवसर लगा.. इस पुनीत अवसर पर बहनोई श्री स्वामी नारायण एवं उनके परिवारजन व चाचा श्री दीपक वर्मा एवं

स्कूल की सभी अध्यापिकाओं ने सक्रिय भागीदारी की. उद्घाटन समारोह का विधिवत शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ एवं तदोपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि डॉ हेमंत कुमार श्रीवास्तव रहे.. अंत में स्कूल की निर्देशिका (बहन) श्रीमती पूजा श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया.. बधाई...

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार
सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

उत्साह पूर्ण वातावरण में मुलुंड मैराथन संपन्न

मुंबई। आशिहारा कराटे इंटरनेशनल के प्रशिक्षक दयाशंकर पाल द्वारा मुलुंड मैराथन का आयोजन लायंस क्लब मैदान मुलुंड पश्चिम पर आयोजित किया गया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ.बाबूलाल सिंह , डॉक्टर आर.आर. सिंह, महाराष्ट्र कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल महासचिव डॉ. सचिन सिंह,सचिव मोहनलाल राज , शरीफ खान ध, राजाराम पाल (अध्यक्ष –पाल विकास संघ), समाज सेवक रमेश सिंह , राजन उटवाल, सुरेंद्र मिश्रा, मैथ्यु चेरियन, बबलू पाल, मनोज पाल,डॉ. सोनिया सोलंकी , मनोज सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की गई मैराथन में 650 लोगों ने हिस्सा लिया। इस मैराथन में चार वर्ग किए गए थे । 12 वर्ष के नीचे बालक–बालिका 12 वर्ष से ऊपर महिला–पुरुष एवं वरिष्ठ नागरिको हेतु क्रमशः 3और 5कि. मी लक्ष्य निर्धारित किया गया सभी धावकों को मेडल ,सर्टिफिकेट और टी शर्ट प्रदान किया गया । '12 वर्ष से कम में कशिश जाधव , ओवी पाटिल, तेजल यादव , लड़कों में 12 वर्ष से कम में अंश , मिहिर , हर्ष 12 वर्ष से ऊपर दिशा पाल, वंशिका गोरखा, आर्य अवाड , 12 वर्ष से ऊपर में लड़कों में स्वयं गुप्ता, कार्तिक गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, क्रमशः प्रथम , द्वितीय व तृतीय विजेता घोषित किए गए। आयोजन में प्लैटिनम हॉस्पिटल की टीम,डॉ. सचिन यादव (सी.ई.ओ) , विजय पाल, रामाशंकर यादव एंबुलेंस सेवा सहित उपस्थित रहे । आयोजन को सफल बनाने में अजीत यादव ,विश्वास पाल, आशीष पाल, मंगलेश मौर्य,दक्ष पाल,नकुल जाधव , राजेश प्रजापति, राकेश दुबे, नैना पाटिल का विशेष योगदान रहा।

हिंदी के प्रख्यात विद्वान डॉ शैलेंद्र नाथ श्रीवास्तव के पुण्यतिथि पर विशेष...

डॉ. शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव (20 मार्च 1936 – 12 फरवरी 2006) एक भारतीय निबंधकार और कवि थे, जो अंग्रेजी , अंग्रेजी और भोजपुरी में लिखे गए थे। उनके कार्य में कविता, जीवनियां, निबंध, वैज्ञानिक आलोचना आदि कहानियां के 100 से अधिक प्रकाशन शामिल हैं। उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो / दूरदर्शन पटना और दिल्ली शाखा के 120 से अधिक कार्यक्रम/प्रसारण में भी भाग लिया। हिंदी भाषा की विद्वान के कारण उन्होंने कई विदेश यात्रा किया.उन्होंने इंग्लैंड , स्कॉटलैंड , वेल्स , फ्रांस , जर्मनी , हॉलैंड , मॉरीशस और नेपाल जैसे कई विदेशी देशों का दौरा किया । वह बिहार के पूर्व भारतीय गठबंधन थे, जिनका जन्म भोजपुर जिले के चौसा में हुआ था। 1980 में वह बिहार विधान सभा के लिए चुने गये और 1989 में वह बिहार के पाटण् इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से नामांकन के लिए चुने गये। वह पद्म श्री (2003) के नागरिक सम्मान के प्राप्तकर्ता थे। शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव का जन्म 20 मार्च 1936 को हुआ बेतिया (पश्चिमी चंपारण) चौसा बिहार में हुआ था.

उन्होंने 1943 में गणेश मेमोरियल मिडिल स्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा दी,सीवानसे शुरू की. 1956 में उन्होंने हिंदी (ऑनर्स) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1958 में वे हिन्दी में स्थापित हुए और 1969 में वे विस्थापित.डी. प्राप्त की.की डिग्री पटना विश्वविद्यालयसे प्राप्त की . बाद में वह एबीवीपी, भारतीय जनसंघ,घ्ब्बीजेपी में शामिल हो गए। वह भारतीय जनता पार्टीके पूर्व भारतीय बन्धु थे ।1980 में, वह बिहार विधान सभाके लिए चुना गया और 1989 में, वह बिहार के लिए 9वें स्थान रहे. लोकसभा के लिए चुना गया. संस्कार भारती के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने भारतीय संस्कृति को बचाए रखने के लिए भी योगदान दिया 12 फरवरी 2006 को उनका निधन हो गया ... नमन....

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार
सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती ठाणे में मनाई गई

ठाणे। जन–जन के नायक भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की 101 वीं जयंती लोकमान्य नगर ठाणे के सभागृह में घनश्याम शर्मा के आयोजन तथा विनोद शर्मा व साथियों के संयोजन में संपन्न हुआ।समारोह की अध्यक्षता सविता समाज संस्था मुंबई के सचिव रविन्द्र नाथ शर्मा (प्रधानाचार्य) ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप,कवि ओमप्रकाश सविता,समाजसेवी जयप्रकाश शर्मा,श्रीमती राधा संतोष शर्मा (भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा पूर्व उपाध्यक्ष एवं CEO), घनश्याम शर्मा, विनोद शर्मा, आनंद प्रकाश शर्मा शिक्षक, सूर्य प्रकाश शर्मा, अमरनाथ शर्मा,हरिबच्चन शर्मा, रमेश चव्हाण, बाबुल्ले शर्मा,मनोज कुमार शर्मा, अनिल कुमार शर्मा, सुनील कुमार शर्मा,मधुबन लाल शर्मा, गजेन्द्र शर्मा, प्रमोद शर्मा, श्यामजी शर्मा, नन्हे शर्मा,सर्वेश शर्मा, रामधनी शर्मा,साहिल भाई, संदेश शर्मा,अमुल भाई, रजनीश शर्मा,ताड़क शर्मा, देवी शर्मा एवं संदीप भाई मुख्य रूप से उपस्थित थे। समारोह में समाजसेवियों के संग महिलाओं एवं बच्चों ने अपनी उपस्थिति का जोरदार प्रदर्शन किया।भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करते हुए नारायणी माता एवं संत सेनाजी महाराज को भी पुष्प अर्पित किया गया। कवि विनय शर्मा दीप एवं ओमप्रकाश सविता ने काव्य के माध्यम से जननायक की जीवनी रखी तत्पश्चात आनंद प्रकाश शर्मा एवं रविन्द्र नाथ शर्मा ने विस्तृत जीवन परिचय सभी के समक्ष रखा। अपने जननायक की जीवनी सुन सामाजिक बंधुओं ने खुशी व्यक्त करते हुए तालियों से वक्ताओं का सम्मान किया।

कॉर्पोरेट घरानों पर टैक्स से दिया जा सकता है शिक्षा–स्वास्थ्य व रोजगारः अखिलेंद्र

प्रदेश में पूंजी के पलायन पर लगे रोक

एआईपीएफ संस्थापक अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने रोजगार अधिकार अभियान के सिलसिले में आजमगढ़ में किया व्यापक संवाद

आजमगढ़। एआईपीएफ के संस्थापक अखिलेंद्र प्रताप सिंह रोजगार अधिकार अभियान के सिलसिले में पूर्वांचल के दौरे पर हैं और इसी कड़ी में उन्होंने आज आजमगढ़ में लोगों से संवाद किया। उन्होंने संवाद में कहा कि रोजगार लोगों को मिल सकता है बशर्ते सरकार अपनी अर्थनीति में बदलाव के लिए तैयार हो। सरकार का तर्क कि पैसा कहां से आएगा, का जवाब है कि अन्य देशों की तरह भारत में भी यदि कॉर्पोरेट घरानों के ऊपर वेल्थ टैक्स लगाया जाए और उनके काले धन की पूंजी पर नियंत्रण किया जाए तो मौजूदा बजट के बराबर लगभग 50 लाख करोड रुपए सरकारी कोष में आ सकता है। जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा जैसे मदों में बड़ा निवेश किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह उनका निजी मंतव्य नहीं है बल्कि प्रसिद्ध मार्क्सवादी अर्थशास्त्री प्रोफेसर प्रभात पटनायक और गांधीवादी अर्थशास्त्री प्रोफेसर अरुण कुमार जैसे अर्थशास्त्रियों की आर्थिक गणना पर आधारित है। कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोजगार सृजन की भारी संभावना है उस पर ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी आर्थिक संसाधन मौजूद हैं लेकिन सरकार की नीति में भारी कमी है। जिसकी वजह से यहां से पूंजी का पलायन अन्य प्रदेशों में हो जाता है। बताया कि बैंकों में जमा यहां के नागरिकों का पैसा उन पर खर्च करने में भारी अंतर मौजूद है। जिसे ऋण–जमा अनुपात असंतुलन कहते हैं। लगभग 60 फ़ीसदी यहां के लोगों का बैंकों में जमा पैसा अन्य प्रदेश में चला जाता है। यही पैसा अगर उत्तर प्रदेश सरकार कौशल विकास, आईटीआई और पॉलिटेक्निक पर खर्च करें और हर नौजवान को उद्यम लगाने के लिए 10 लाख रुपए अनुदान दे तो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो सकता है।

उन्होंने बिना मुकदमा चलाए अनावश्यक रूप से जेलों में कैद सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार बराबर समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है।मानवाधिकार की रक्षा और सामाजिक सुरक्षा संविधान के न्याय की अवधारणा में निहित है जिसे कोई भी सरकार व न्यायालय छीन नहीं सकता। फिर भी मौजूद निजाम में ऐसा किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज के सरोकारी लोगों को अपने पुराने प्रयोगों का मूल्यांकन करना चाहिए और सभी लोगों को जन मुद्दों पर आधारित एक राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थनीति के लिए राष्ट्रीय संवाद शुरू करना चाहिए। देश व दुनिया की राजनीतिक परिस्थितियों में भारी बदलाव हुआ है। पुरानी सैद्धांतिकी के आधार पर वित्तीय पूंजी के राजनीतिक हमले से निपटा नहीं जा सकता है। संगठन और सिद्धांत के क्षेत्र में नए सिरे से काम करने की जरूरत है। कहा कि रोजगार अधिकार अभियान और सामाजिक अधिकार को मिलाकर आंदोलन चलाने की जरूरत है। एससी, एसटी, पिछड़े, अल्पसंख्यक और महिलाओं के विकास पर बजट का खर्च बढ़ना चाहिए तभी समावेशी समाज बन सकता है।

उन्होंने आरएसएस और भाजपा की तानाशाही से न डरने की सलाह दी और कहा कि वह परास्त होगी क्योंकि उसकी विचारधारा विदेशी है और भारत की बहुलता, परंपरा और सभ्यता के खिलाफ है। उन्होंने कचहरी के एक प्रांगण में राजनीतिक सामाजिक कार्यकर्ताओं और हक मैरिज हॉल में नौजवानों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने शिब्ली मंजिल लाईब्रेरी का दौरा भी किया और कहा कि पूर्वांचल खासकर आजमगढ़ और मऊ की सामाजिक सांस्कृतिक पूंजी बेहद समृद्ध है। जमीनीस्तर पर इस बहुलता और समृद्धि के अध्ययन की जरूरत जताई। उन्होंने अगली बार आजमगढ़ आने पर शिब्ली मंजिल लाईब्रेरी में ही रूकने का निर्णय लिया। संवाद में वरिष्ठ समाजवादी राम कुमार यादव, संस्कृतिकर्मी हेमंत, एआईपीएफ प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर, राजनीतिक कार्यकर्ता नसीम, एडवोकेट जावेद शामिल रहे।

नरसिंह दुबे बाबूजी की पुण्यतिथि पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

वसई। श्री नरसिंह के. दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं रुग्णालय द्वारा स्वर्गीय नरसिंह दुबे की 16 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 28 जनवरी को सुबह 10 बजे से रात 10.00 बजे तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया स इसमे निरूशुल्क चिकित्सा शिविर,सुदृढ बालक प्रतियोगिता, पाचन संस्थान पर आधारित वनौषधीयों की प्रदर्शनी, संभाषा प्रतियोगिता,भावपूर्ण श्रद्धांजली, विशुद्ध भोजपुरी,अवधी कवि संमेलन आदी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया स कार्यक्रम की शूरुवात दीप प्रज्वलन एवं धन्वंतरी पूजन से की गई स निरूशुल्क चिकित्सा शिविर में 1156 मरीजों ने विभिन्न चिकित्सा का लाभ लिया स जिसमे रक्त परीक्षण, इसीजी, एक्स–रे आदि निरूशुल्क परीक्षण चिकित्सकों के सलाह के अनुसार किया गया। किफायती दाम में चष्मा वितरण भी किया गया स महाविद्यालय के सभागृह में सुदृढ बालक प्रतियोगिता संपन्न हुईस वसई के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. प्रेरणा मांजलकर तथा नालासोपारा के प्रसिद्ध बालरोग विशेषज्ञ डॉक्टर अखिलेश सरोज ने बालकों का चयन किया। संभाषा प्रतियोगिता में प्राथमिक दौर में चयनित 66 प्रतियोगियों में से 15 प्रतियोगियों ने अंतिम दौर में हिस्सा लिया स इसमे महाराष्ट्र राज्य के सभी वैद्यकीय, डेंटल ,आयुर्वेद होमिओपॅथी, नर्सिंग, फिजिओथेरपी एवं अन्य क्षेत्र के विद्यार्थीयों ने सहभाग लिया स गुणवत्ता के अनुसार स्पर्धकों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय व उत्तेजनार्थ पुरस्कार के लिए चयन किया गया। संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे , डायरेक्टर डॉ ओम प्रकाश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजमोहन पांडे एवं सभी निर्णायकों द्वारा मिलकर पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ स तत्पश्चात भोजपुरी, अवधी कवि संमेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कवि राम सिंह ,कवि रासबिहारी पांडे, कवि षनिडर जौनपुरी, कवि शिवप्रकाश पांडे जमदग्नीपुरी, कवि अरुण दुबे ,कवयित्री किरण तिवारी, जवाहरलाल शर्मा निर्झर, जिया उल हक ने अपनी भोजपुरी अवधी कविताओं से दर्शकों का मनोरंजन किया और उन्हें भोजपुरी अवधी भाषा से जोड़ने का प्रयास किया स कवियों ने हास्य,व्यंग, करूण, शृंगार एवं वीर रस की कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया स सभी भोजपुरी/अवधी भाषिक महिलाओं एवं पुरूषों ने कवि संमेलन का भरपूर लुत्फ उठाया ।कवि संमेलन का संचालन प्रो. डॉ. चंद्रभूषण शुक्ला ने किया स इस अवसर पर उपस्थित रहने वाले प्रमुख लोगों में श्याम सुंदर दुबे, नरेश दुबे ,डॉ राधेश्याम तिवारी, उद्योगपति धर्मराज दुबे, डॉ हृदय नारायण मिश्र, उद्योगपति दिनेश चंद्र उपाध्याय, जयप्रकाश सिंह, नागेंद्र तिवारी,वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, नवल किशोर मिश्रा, दद्दन सिंह, बबलू सिंह,अमित दुबे आदि का समावेश रहा।

14 अप्रैल को रजापुर ब्लाक मे आजादी के झूठ का पर्दाफास्ट किया जाएगा

2 फरवरी 2025, मुख्यालय राष्ट्रीय सैनिक संस्था , 133 बी मॉडल टाउन ईस्ट , गाजियाबाद – आज यहाँ राष्ट्रीय सैनिक संस्था के गाजियाबाद इकाई के रजापुर ब्लाक के सदस्यो की एक बैठक आयोजित की गई।

रजापुर ब्लाक इकाई के अध्यक्ष देश भक्त धीरेन्द्र त्रिपाठी ने बताया की 1947 से एक झूठ लगातार फैलाया जा रहा है की " दो दो हमे आजादी बिना खड़ग बिना ढाल , साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल"।

कॉमन सेंस की बात है की आजादी दुनियाँ मे कभी बिना तलवार के नहीं मिली।

जिला गाजियाबाद के अध्यक्ष गौरव सेनानी ज्ञान सिंह ने बताया की 1948 मे खुद ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री ऐडमन एटली ने भारत आकर कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायधीक्ष को बताया था की हम नेताजी सुभाष चंद्र बोस आजाद हिन्द फौज के संघर्ष के कारण भारत को छोड़ कर गए थे। उन्होने यह भी बताया था की भारत छोड़कर जाने पर मोहन लाल चंद्र क्रम गांधी का योगदान न के बराबर था।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र प्राप्त कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने बताया की 14 अप्रैल 1944 को मणिपुर के मोयरंग मे आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेज़ो को बुरी तरह हराया था और आजाद हिन्द सरकार काम की थी।

यह सरकार बकायदा 4 महीने चली थी। तत्कालीन भारतीय नेताओ ने यदि अंग्रेज़ो के ब्जाय आजाद हिन्द सरकार का साथ दिया होता तो अभिवाजित भारत को सम्पूर्ण आजादी उसी समय मिल गई होती। इतने बड़े सच को आज तक छुपाया गया है और झूठ बताया जा रहा है की गांधी ने आजादी दिलवाई।

आज संदीप चौधरी ,सूबेदार ओम पाल सिंह , जिले सिंह तेवतिया , सतीश चंद , दिलीप कुमार शर्मा , दिनेश राणा , हेमेन्त द्वेदी , डा आर के शर्मा , नरेंद्र सिंह , गणेश चंद पांडे , संत बक्स , मनीष , कृष्णा , अजय वर्मा , विष्ट आदि ने निर्णय लिया की आजादी के झूठ का पर्दाफास्ट करने के लिए 14 अप्रैल को राष्ट्रीय सैनिक संस्था की रजापुर इकाई एक बड़ा कार्यक्र्म आयोजित करेगी।

गौरव बंसल

मीडिया प्रभारी गाजियाबाद इकाई,

राष्ट्रीय सैनिक संस्था

तेजस –भारत का लड़ाकू विमान

तेजस भारत द्वारा विकसित किया जा रहा एक हल्का व कई तरह की भूमिकाओं वाला जेट लड़ाकू विमान है। यह हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा विकसित एक सीट और एक जेट इंजन वाला, अनेक भूमिकाओं को निभाने में सक्षम एक हल्का युद्धक विमान है। यह बिना पूँछ का, कम्पाउण्ड– डेल्टा पंख वाला विमान है। इसका विकास श्हल्का युद्धक विमानश या (एलसीए) नामक कार्यक्रम के अन्तर्गत हुआ है जो 1980 के दशक में शुरू हुआ था। यह विमान पुराने पड़ रहे मिग–21 का स्थान लेगा। तेजस भारत के लिए एक हल्का वजन वाला प्रमुख लड़ाकू (अग्रिम पंक्ति का)प्रिय विमान साबित होगा. यह कारगिल युद्ध जैसे प्रयोग में भी सर्वाधिक सफल रहा।

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार–विज्ञान एवं खेल एवं सचिव – इंडियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन (उप्र) (ISWA) (गोरखपुर)

।। वर्तमान में जीने में ही सुख हैं।।

इस जगत में मनुष्य मरणधर्मा देह लेकर आता है। लेकिन यह सोच कर कि मैं यहां सदा के लिए हूं। वर्तमान के बजाय भविष्य में जीने लगता है। एक तरह से इस सोच को जीने लग जाता है और सात पीढ़ियों के लिए परिग्रह करने में लग जाता है.. जिससे भी व्यवहार रखता है यही सोच कर रखता है की. . इससे क्या पाया जा सकता है। इसी कारणवश परमात्मा प्रद्दत जीवन रुपी असीम अनुकंपा को.. अनमोल अवसर को.. जीने से चूक जाता है..और यही उसके आत्मिकक्षोभ का सबसे बड़ा कारण है..! मनुष्य को सदैव दूसरों के प्रति परोपकार की भावना रखते हुए वर्तमान में ही जीना चाहिए यही सबसे बड़ी सुख हैं।

आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

सम्पादकीय...

इजरायल को विनाश तांडव जारी रखने की हरी झंडी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलिस्तीन में तबाही का शिकार गाजा के पुनर्निर्माण का जो प्रस्ताव रखा है, उसने दुनिया के विभिन्न देशों को चौंका दिया है। पिछले पंद्रह महीनों से गाजा में जारी विनाश लीला में इन दिनों कुछ दिनों के लिए विराम लगा है तथा कुछ बंधकों की रिहाई का क्रम जारी है। आशा की जा रही थी कि शांति का यह सीमित समय एक दूरगामी संघर्ष विराम का रूप ले सकता है। इसी समय ट्रंप ने गाजा का अधिग्रहण कर वहां तथाकथित पुनर्निर्माण का प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने इजरायल के युद्ध पीपासु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले विदेशी नेता के रूप में व्हाइट हाउस आमंत्रित किया। इस मुलाकात के दौरान ही उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि वह गाजा को अपने नियंत्रण लेकर उसे एक 'पर्यटन स्थलत्य के रूप में विकसित करे। पचास हजार लोगों की मौत और लाखों लोगों के घायल होने वाले क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने की बात कितनी मानवीय और अव्यावहारिक है, इसे लेकर सभी लोग स्तब्ध हैं। पूरा गाजा क्षेत्र खंडहर में तब्दील हो चुका है। सीमित संघर्ष विराम के दौरान लाखों लोग उत्तरी गाजा में अपने खंडहर बने मकानों को संजोने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे समय किसी भी विश्व नेता से यह आशा थी कि वह मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पीड़ित लोगों को नई शुरुआत करने का संदेश दे तथा यथासंभव मदद करे। लेकिन ट्रंप ने ठीक इसके विपरीत काम किया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के वारंट के बावजूद नेतन्याहू अमेरिका के सम्मानित अतिथि बने। अपने मेजबान से उन्होंने गाजा के बारे में जो कुछ सुना वैसा कहने का दुस्साहस वह खुद नहीं पर पाए। वास्तव में गाजा में पुनर्निर्माण का सुझाव पिछले वर्ष ट्रंप के दामाद जरेड कुशनर ने दिया था। उस समय गाजा में नरसंहार अपने प्रारंभिक दौर में था। धीरे–धीरे तबाही बढ़ती गयी। आज जब गाजा कई मायनों में कब्रिस्तान का रूप ले चुका है, उस समय गाजा को पर्यटन स्थल बनाने का सुझाव कोई जिम्मेदार राजनेता नहीं दे सकता। आश्चर्य की बात यह है कि चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप और उनके समर्थकों ने ऐसे बयान दिये थे कि नया प्रशासन दुनिया में संघर्ष शुरू करने की बजाय युद्ध का अंत करने को प्राथमिकता देगा। यह आशा बनी थी कि ट्रंप प्रशासन रूस और यूक्रेन पर दबाव डालकर वहां तीन साल से जारी युद्ध समाप्त कराने की कोशिश करेगा। इसी तरह फिलिस्तीन में इजरायल और हमास को भी संघर्ष समाप्त करने के लिए बाध्य किया जाएगा। लेकिन अब लगता है कि ट्रंप ने इजरायल को विनाश तांडव जारी रखने की हरी झंडी दिखा दी है। इतना ही नहीं, वह गाजा में सीधे रूप से अमेरिका की दखलंदाजी की भूमिका तैयार कर रहे हैं। ट्रंप की योजना यह है कि गाजा के लाखों लोगों को वहां से बेदखल कर पड़ोसी देशों मिस्र और जॉर्डन भेजा जाए। गाजा क्षेत्र में मलवे की सफाई की जाए तथा दुनिया भर से निवेश आकर्षित कर वहां नये भवनों का निर्माण किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप मूलतः रियल एस्टेट कारोबारी रहे हैं। लगता है कि वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता की बजाय अपने पुराने कारोबार की मानसिकता से काम कर रहे हैं। गाजा के पुनर्निर्माण में करीब एक दशक का समय लगेगा।

विरासत गलियारा सड़क चौड़ीकरण का मुद्दा ....

विरासत गलियारा के चौड़ीकरण को लेकर व्यापारी वर्ग में गहरी चिंता थी, क्योंकि प्रस्तावित 12.5 मीटर चौड़ा गलियारा उनके व्यवसायों के लिए खतरे की घंटी बन सकता था। व्यापारियों का कहना था कि यह चौड़ीकरण उनके रोजगार पर सीधा असर डालेगा, क्योंकि कई दुकानों को तोड़ने की संभावना थी। इसके अलावा, सड़क की चौड़ाई बढ़ने से गलियारे में व्यापारियों की दुकानें सिमट सकती थीं, जिससे उनके व्यवसाय में भारी गिरावट आने की आशंका थी।

व्यापारियों का प्रतिरोध– पांडेयहाता के व्यापारी अनुराग गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों का मानना था कि आठ मीटर चौड़ी सड़क भी आवागमन के लिए पर्याप्त होगी और इससे दुकानों का संचालन भी संभव रहेगा।व्यापारियों ने पिछले चार दिनों से अपनी दुकानों को बंद कर विरोध प्रदर्शन किया था। मंगलवार को भी व्यापारी एकजुट होकर प्रदर्शन करने के बाद ग्रामीण विधायक से मिलने पहुंच और उन्हें ज्ञापन दिया...

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार
सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

आज का विपक्ष हारा तो है ही हताश भी बहुत है

आज भारत में विपक्ष की जितनी पार्टियाँ हैं,चुनाव तो हार ही रही हैं,हताश भी बहुत हैं।ये हताशा ही है कि जब भी कोई बात करती हैं तो बिना शिर पैर की।जिसका कोई औचित्य नहीं होता है।इसीलिए ए हताश पार्टियाँ सत्ता पक्ष की बुराई करते करते देश की बुराई करने लगती हैं।जिसका परिणाम यह हो रहा है कि धीरे धीरे ए सभी जनता की निगाह से उतरती जा रही हैं।वही सत्ताधारी भाजपा लोगों के दिल में वसती जा रही है।जिसका अभी अभी ताजा उदाहरण दिल्ली का चुनाव है।कांग्रेस सहित जितनी पार्टयाँ भाजपा विरोधी हैं,सबके सब मुद्दा विहीन हो गई हैं।सभी आपस में कहीं गठबंधन कर रही हैं तो कहीं अकेले ही लड़ रही हैं।इससे एक बात तो साफ है कि इनमें संगठनात्मक कमी है।सबके सब प्रमुख बनने की होड़ में हैं।सब एक दूसरे की टाँग खींच रहे हैं।कांग्रेस सबको दबा के साथ रखना चाहती है तो।सब कांग्रेस को दबा के अपना झंडा ऊँचा रखना चाह रहे हैं।इसीलिए एक ढंग का गठबंधन भी नहीं बन पा रहा है।वहीं भाजपा का भी गठबंधन है।जिसमें भाजपा ही सर्वोपरि है।और नरेन्द्र मोदी उस गठबंधन के सर्वमान्य प्रमुख हैं।इसीलिए भाजपा का गठबंधन पूरे देश में सफल भी है।और विपक्ष को हताशा में ढकेलते जा रहा है।

विपक्ष की हताशा देखिये।आतंकी मारे जाते हैं तो ए उनके समर्थन में धरना प्रदर्शन यहाँ तक की ऊच्चतम न्यायालय में उनकी फाँसी रुकवाने की अर्जी देते हैं।आधी रात को अदालत लगवा देते हैं।वहीं सैनिक या व्यापारी व आम जन मारे जाते हैं तो संवेदना तक नहीं व्यक्त कर पाते।घुसपैठिये भगाये न जायं इसलिए सरकार का विरोध करते हैं। भूल जाते हैं कि घुसपैठियों के चलते हमारे देश में परेशानी उत्पन्न हो रही है। जिससे देशवासियों पर संकट मण्डरा रहा है।घुसपैठ का समर्थन करना देशद्रोह ही कहा जायेगा। सर्जिकल स्ट्राईक से जहाँ पाकिस्तान की नींद हराम और विश्व में किरकिरी हो रही थी,वही हमारा विपक्ष अपनी ही सरकार से सबूत माँग कर अपनी किरकिरी करवा बैठी।जिससे उसकी हताशा स्पष्ट दिखाई पड़ती है। इनकी हताशा का एक और नमूना देखिए।भारत जोड़ो यात्रा पर निकल पड़े।अब जनता सोंच में पड़ गई कि क्या पाकिस्तान बांग्लादेश फिर से भारत का हिस्सा हो जायेगा।लेकिन वहाँ जनता को निराश किए।जनता ने देखा कि ये भारत नहीं पार्टी जोड़ो यात्रा है।जो उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरब से लेकर पश्चिम तक सभी पार्टियाँ एक साथ आईं।और नाम दिया गया इण्डिया गठबंधन।अब दूसरा नमूना देखिए।संविधान बचाओ यात्रा निकाले।और सभी संवैधानिक संस्थानो की विश्वसनियता पर प्रश्नचिन्ह लगाते रहे।अब जनता फिर सोचने लगी कि संविधान की बखिया तो खुद उधेड़ रहे हैं।तो बचाने किससे निकले हैं।यहाँ जनता नकार दी।

विपक्ष हताशा में जनहित के मुद्दे भूल गई। सबका बस एक ही नारा मोदी हटाओ।जनता पूँछती है क्यों ? तो किसी पास यह बताने की कूबत नहीं है कि मोदी को क्यों हटाया जाय।जबकी मुद्दा है।लेकिन हताशा में मुद्दा दिख नहीं रहा।शायद मोदी सरकार ने इन्हें अपना विरोध करने के लिए सम्मोहित सा कर लिया हो।विपक्ष चुनाव हारता है अपनी गलत नीतियों से।दोष मढ़ देता है ईवीएम पर।इससे जनता अपमानित महसूस करने लगती है।जिसका परिणाम यह होता है कि विपक्ष आने वाला चुनाव भी हार जाता है।और फिर खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे वाली कहावत सिद्ध करता है।और संवैधानिक संस्थानों को पूरे विश्व में बदनाम करता है।जिससे भारत की छवि खराब होती है।जिससे जनता को लगता है कि देश की छवि खराब करने वाला देशद्रोही ही हो सकता है।अब ऐसी ही कोई जनता होगी जो देश की बदनामी करने वालों के साथ खड़ी होगी।अपने देशविरोधी बयानों के चलते विपक्ष पिछड़ता जा रहा है।और भाजपा आगे बढ़ती जा रही है।विपक्ष मुद्दा ढूँढ़ नहीं पा रहा या पाकर उसे उठाना नहीं चाह रहा। महगाई और बेरोजगारी मुद्दा है।लेकिन हताश विपक्ष इन दोनो मुद्दो पर चुनाव में मुखर होकर बात नहीं करता।जातिवाद का विरोध करता है।जातिगत जनगणना करवाने के लिए आंदोलन करता है।समझ में नहीं आ रहा कि विपक्ष जाति विरोधी है कि जातिवाद का समर्थक। विपक्ष को यदि जनता के दिलों जगह बनाकर सत्ता के शिर्ष पर पहुँचना है तो सबसे पहले जनहित की बात सोंचे।जनता को सुख पहुँचाने वाले मुद्दों को प्रमुखता दें।आतंकियों को बचाने वाली प्रवृत्ति से दूरी बनायें। संवैधानिक संस्थानों पर भरोसा दिखायें।अदालत न बनें। पुलिस काम है पकड़ना।दोषी और निर्दोषी का फैसला न्यालय को करने दें।न्याय प्रणाली पर भरोसा दिखायें।भ्रष्टाचार का समर्थन न करें।भ्रष्टाचारियों को सजा दिलायें।लेकिन विपक्ष इसके उलट ही सब कार्य कर रहा है। हताशा में विपक्ष को सही गलत में फर्क ही नहीं समझ आ रहा है। हताश विपक्ष का एक नमूना और देखिए।आज प्रयागराज में विश्व के लोग संगम में डुबकी लगाने पहुँच रहे हैं।सरकारी आँकड़े को यदि देखें तो 50 करोड़ से ऊपर लोग स्नान कर चुके हैं।दो एक अपवाद को छोड़ दें तो यह मेला विश्व का सबसे विहंगम मेला है।भारत की लगभग आधी आवादी एक छोटे से क्षेत्र में जमा हुई है।कई रिकार्ड ध्वस्त हो रहे हैं।विश्व अचम्भित है इस आयोजन से।सुरक्षाकर्मी बगैर हथियार के इतनी अपार भीड़ को नियंत्रित किए हुए हैं।एक घटना को छोड़ दिया जाय तो अब तक का सबसे शांतिपूर्ण और सफल आयोजन अपनी सम्पर्णता की तरफ बिना भेद भाव अग्रसर है।इसके बावजूद भी विपक्ष सिर्फ और सिर्फ सिद्दत से बदनाम करने पर लगा है।जिससे जनता में इनके प्रति रोष ही पनप रहा है।जनता इनकी कारगुजारियों को बड़ी बारीकी से देख समझ रही है।मगर ये जनता को नहीं समझ पा रहे हैं।इसलिए कहना पड़ रहा है कि आज का विपक्ष हारा तो है ही हताश भी है।

–पं.जमदग्निपुरी

मुलुंड में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम

मुलुंड। विश्व कैंसर दिवस 2025 का जश्न मनाने के लिए, फोर्टिस अस्पताल मुलुंड ने मंगलवार 4 फरवरी को एक टैलेंट और पेंटिंग सत्र का आयोजन किया। इस मौके पर कैंसर मरीजों और इससे उबर चुके मरीजों का गजब का उत्साह देखने को मिला. इस गतिविधि में लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया। इन सभी ने एक साथ आकर अपने अनुभव साझा किए और यह भी साबित किया कि हम सभी कैंसर पीड़ितों के प्रति एकजुट हैं। इसने कैंसर के इलाज में आशा और समुदाय की भावना पैदा की, जो वैश्विक थीम यूनाइटेड बाय यूनिक के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, कैंसर के इलाज के दौरान अच्छे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाए रखने का महत्व भी इस समय देखा गया। इस पहल ने प्रतिभागियों को सहजता से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, साथ ही कैंसर से संबंधित प्रमुख मुद्दों के बारे में जागरूकता भी फैलाई। इस अवसर पर कई लोगों ने अपनी व्यक्तिगत कहानियाँ साझा कीं और साथ ही साथी कैंसर रोगियों के प्रति अपना बिना शर्त समर्थन दिखाया और कैंसर को हराने के लिए त्वरित और सटीक निदान, रोकथाम और उपचार के महत्व पर जोर दिया। फोर्टिस अस्पताल के डॉक्टर भी इस पहल में अपना समर्थन देने और कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए उपस्थित थे और भाषणों के माध्यम से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका प्रस्तुत की।

इस पहल के बारे में अपनी राय व्यक्त करते हुए, मुलुंड में फोर्टिस अस्पताल के सुविधा निदेशक डॉ. विशाल बेरी ने कहा, ष्हमें इस कार्यक्रम को आयोजित करने पर बहुत गर्व है, जिसमें कैंसर पीड़ितों की कलाकृति और साहस और बहादुरी को प्रदर्शित किया गया है, जिन्होंने कैंसर का सामना किया है और बाधाओं पर काबू पाने के लिए दृढ़ रहे हैं। निवारक स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी के रूप में, हमने इस कार्यक्रम के माध्यम से शीघ्र और सटीक निदान और उपचार के महत्व पर जोर देने की कोशिश की है। इसके साथ ही, हम सहयोगात्मक रूप से बीमारी से लड़ते हुए समुदाय में समर्थन, करुणा और प्रगति की भावना पैदा कर रहे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, कैंसर योद्धा मंधारे ने कहा, ष्आज यहां होना और इतने सारे अविश्वसनीय लोगों के साथ प्रदर्शन करने से मुझे उस यात्रा की याद आ गई, जिस पर हम सब चल रहे हैं। कैंसर ने हमें कड़ी चोट पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन हमने इसे सफल नहीं होने दिया। हम आज अपनी कहानियों, अपनी खुशी, हंसी और आशा को साझा करने के लिए एक समुदाय के रूप में एक साथ आए। कैंसर अलग–थलग महसूस कर सकता है, लेकिन इस तरह की गतिविधियां मुझे याद दिलाती हैं कि हम इस लड़ाई में कभी अकेले नहीं हैं। हमने एक मजबूत बंधन बनाया है, जो हमारे कैंसर से भी अधिक मजबूत है। पार पाने का सफर भी बाकी रहेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई शिक्षा नीति को दी मंजूरी

10वीं बोर्ड खत्म, एमफिल भी बंद होगा

आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित नई शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दे दी। 36 वर्षों बाद, केंद्र सरकार के कैबिनेट की स्वीकृति के बाद देश में नई शिक्षा नीति लागू हुई है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई शिक्षा नीति 2020 को हरी झंडी दे दी है। 34 साल बाद शिक्षा नीति में बदलाव किया गया है। नई शिक्षा नीति की प्रमुख बातें इस प्रकार हैः

शिक्षा संरचना (5+3+3+4 फार्मूला)

5 वर्ष – मूलभूत (फाउंडेशनल) शिक्षा

1. नर्सरी / 4 वर्ष
2. जूनियर केजी / 5 वर्ष
3. सीनियर केजी / 6 वर्ष
4. कक्षा 1 / 7 वर्ष
5. कक्षा 2 / 8 वर्ष

3 वर्ष – प्रारंभिक (प्रिपरेटरी) शिक्षा

6. कक्षा 3 / 9 वर्ष
7. कक्षा 4 / 10 वर्ष
8. कक्षा 5 / 11 वर्ष

3 वर्ष – माध्यमिक (मिडल) शिक्षा

9. कक्षा 6 / 12 वर्ष
10. कक्षा 7 / 13 वर्ष
11. कक्षा 8 / 14 वर्ष

4 वर्ष – उच्च माध्यमिक (सेकेंडरी) शिक्षा

12. कक्षा 9 / 15 वर्ष
13. कक्षा 10 (SSC) / 16 वर्ष
14. कक्षा 11 (FYJC) / 17 वर्ष
15. कक्षा 12 (SYJC) / 18 वर्ष

विशेष विशेषताएँः

अब केवल 12वीं कक्षा में बोर्ड परीक्षा होगी। 10वीं बोर्ड परीक्षा अनिवार्य नहीं होगी।

एमफिल (MPhil) को समाप्त कर दिया जाएगा।

कॉलेज की डिग्री 4 वर्ष की होगी।

अब 5वीं तक की पढ़ाई मातृभाषा, स्थानीय भाषा और राष्ट्रीय भाषा में होगी। अंग्रेजी को सिर्फ एक विषय के रूप में पढ़ाया जाएगा।

9वीं से 12वीं तक सेमेस्टर प्रणाली लागू होगी।

कॉलेज की डिग्री अब 3 या 4 साल की होगी।

1 साल बाद सर्टिफिकेट

2 साल बाद डिप्लोमा

3 साल बाद डिग्री

4 साल की डिग्री करने वाले छात्र सीधे 1 साल में MA कर सकेंगे।

MA करने वाले छात्र अब सीधे PhD कर सकेंगे।

अगर कोई छात्र एक कोर्स के बीच में दूसरा कोर्स करना चाहता है, तो उसे कुछ समय के लिए ब्रेक लेकर ऐसा करने की अनुमति होगी।

उच्च शिक्षा में प्रवेश दर (GER) 2035 तक 50% करने का लक्ष्य।

उच्च शिक्षा में कई सुधार किए जाएंगे, जिसमें शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता शामिल होगी।

ई–कोर्स क्षेत्रीय भाषाओं में शुरू किए जाएंगे।

वर्चुअल लैब्स विकसित की जाएंगी।

राष्ट्रीय शैक्षिक तकनीकी मंच (NETF) की स्थापना की जाएगी।

देशभर के सरकारी, निजी और डीम्ड संस्थानों के लिए एक समान नियम लागू होंगे।

महिला क्रिकेट (WPL) का आज से आगाज...

महिला प्रीमियर लीग का संग्राम फिर से शुरू होने वाला है। आज इस टूर्नामेंट का तीसरा एडिशन शुरू हो रहा है। पिछले सीजन इस टूर्नामेंट को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की महिलाओं ने जीत लिया था। आरसीबी ही इस बार के संस्करण में पहला मुकाबला खेलने वाली है। डिफेंडिंग

चौम्पियंस आरसीबी का मुकाबला गुजरात जायंट्स से होना है। टूर्नामेंट चार शहरों में होगा और पहले लेग के मुकाबले वडोदरा में खेले जाएंगे। पहले ही मैच में तगड़ी टक्कर और मनोरंजन की उम्मीद की जा रही है। अन्य शहरों में लखनऊ, मुंबई और बेंगलुरु है। भारतीय महिला क्रिकेट के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है।

संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार, खेल एवं विज्ञान (गोरखपुर)

अति आवश्यक सूचना

आपको अवगत कराते हुए हर्ष हो रहा है कि दिनांक 03 मार्च 2025 को ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन (आइसना) अपना 43वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इस अवसर पर हम सभी को अपने–अपने जिला व राज्य मुख्यालय पर कार्यक्रम करके इस अवसर को उत्सव के रूप में मनाना चाहिए। अतः हम सभी आइसना के साथी इस अवसर पर अपने संगठन के कार्यालय पर आइसना का 43वां स्थापना मनाएं और उसके फ़ोटो व वीडियो केंद्रीय कार्यालय के व्हाट्सएप्प नम्बर–9044230692 पर भेजें। तत्पश्चात अप्रैल माह में होने वाले आइसना के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी करें, शीघ्र ही राष्ट्रीय सम्मेलन की तिथि सुनिश्चित करके आपको अवगत कराया जायेगा।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ आपका

–अरुण कुमार त्रिपाठी, राष्ट्रीय महामंत्री

ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन (आइसना)

भारत के राजपत्र मे अधिसूचित

एससी-एससी, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक वर्ग जातियों के संगठन नेतृत्व विचारधारा को धरातल से जुड़कर जागरुकता की जरूरत पर चिंतन!

एससी–एससी पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक वर्ग जातियों के लोगों को धर्म एवं संविधान–लोकतंत्र का तुलनात्मक अंतर अवसर गुण–दोष को समझाने की जरुरत के साथ संगठन नेतृत्व को लोगों से संबाद उनके बीच बने रहने के लिए स्थानीय नेतृत्व संगठन को मजबूत करने होगा। अधिकतर लोग अच्छाई बुराई को समझ नहीं पा रहे हैं। नौकरशाही राजनैतिक रणनीति से अच्छे से अच्छे लोग अनभिज्ञ हैं। राजनैतिक एवं सत्ता के गुण–दोषों ही लोगों को जागरूक बना सकते हैं। संगठन नेतृत्व को भी शिक्षित बनकर ही लोगों को सत्ता नेतृत्व दे सकते हैं। जनप्रतिनिधित्व जनप्रतिनिधि ही शिक्षा चिकित्सा संस्थानों संसाधनों की बिक्री नौजवानों के भविष्य को सुरक्षित सुधार लाने में सक्षम है। जनसेवी संगठन नेतृत्व गरीब,मजदूर किसान के हित में योजना बनाकर भारत को नौकरशाही भ्रष्टाचार से मुक्ति का कारण जनसेवी लोकतंत्र में मतदान मतदाता ही जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार रोकने में सक्षम बनाने के लिए बुद्धिजीवी वर्ग को आगे आना होगा।

जनप्रतिनिधि और पार्टी नेतृत्व करेगा। सरकार से संबाद सरकार को जनहित और समाजसेवी बनायेंगे माहुल, भ्रष्टाचार से मुक्त रखेंगे सरकार। सरकार की बरीयता गरीबी मिटाना,अपराध रोकना, बेरोजगारों को रोजगार,किसानों को उपज का वाजिब मूल्य दिलाने में समाजसेवी जनप्रतिनिधित्व जनमानस को सुरक्षित रोजगार युक्त जीवन दे सकता है। लेबर पार्टी आफ इंडिया जल, जंगल, जमीन, भूमिहीन, खेतिहर मजदूरों के उत्थान व्यवसाय की बात करतीं हैं। कृषि आधारित सहकारिता नीति से लघु व्यवसाय,नौकरी के अवसर में खुद बनाओं, खुद खाओ, खुद बेंचों की तर्ज पर योजनाएं प्रशिक्षण देकर ग्रामीण विकास से ही मजबूत विकसित भारत बन सकता है।

जनसेवी संगठन नेतृत्व लोकतंत्र से ही संविधान के अनुसार काम करने की योजना बनाकर मन से इंसान दिल में ठान लें,तो जिंदगी बदल सकता है।इंसान ही एक दूसरे के तालमेल से इंसानों का बिकास हो सकता है। दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं?जिसे इंसान अच्छे से नहीं कर सकें, इंसान को लड़ना–बढना ही होगा।सत्तासीन राजनेता नौकरशाह आपस में बंदर बांट करके देश को तवाह कर देंगे। धर्म से बढ़ा इंसान इंसानियत का रिश्ता मजबूत बनाने की जरूरत है। धरमांता राजनेता जनप्रतिनिधि मंत्री मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री सभी लोगों को गुमराह–लोगों को भर्मित करके सत्ता में बने रहकर देश को लूटते रहना लोगों के खून में कीड़े जैसे बिशाढूओं को गद्दी उतारना होगा।

जो लोग मैदान में उतर गए 'उन्हें हर हाल में सामाजिक, आर्थिक अधिकार दिलाना है।अब निकल पड़ें है, तो रुकना नहीं है,कामयाबी के सफर को सफल बनाना है। अब कितना वक्त लगेगा मुझे खुद पता नहीं?मगर लौटूंगा वापस कामयाब होकर ही.. यह मेरा आत्मविश्वास हैं, घमंड नहीं? 'यही मिशन का संकल्प है।

रुमसिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष लेबर पार्टी ऑफ इंडिया

जयभारत जयभीम

तमाशा

जो चल रहा है
सब देख रहे हैं।
वे भी
जो नहीं देखना चाहते
तमाशा
गुलामी का।
और वे भी
चुप हैं
और चाहते हैं
आजादी
इस तमाशे से।
कुछ समझदारी से भरे लोग
लगा रहे हैं गोता
इस तमाशे में ।
जहाँ
तमाशा ही तमाशा है
और तमाशे के सिवा कुछ नहीं।
वे जो चाहते हैं
खतम हो जाय तमाशा
खुल जाय मौसम
निकल आए सूरज
अपने देश में
वे कर रहे हैं
व्यायाम
अपने उखाड़े में।
चला रहे हैं कलम
तलवार की तरह
और कह रहे हैं
हम होंगे कामयाब
एक दिन।
दिन गिनती पीढ़ियाँ
टकरा रही हैं
वर्तमान से।
और यह वर्तमान
भागा जा रहा है
गुलामी तरफ
बगटूट ।।

–अन्वेषी

दिशा निर्देश

दिशानिर्देश यह है कि
दिशा हीनता छोड़कर
सही दिशा में कदम बढ़ाओ
आजादी के गीत गाओ।
और बन जाओ
अभियान
आजादी का।
आर्थिक सामाजिक
धार्मिक राजनैतिक
वैचारिक राष्ट्रीय
सब एक साथ।
बंद करो बाहरी दबाव
हटाओ अभाव
और बढ़ चलो
गाँव की ओर
जहाँ जमीन खाली है
बंजर है
सींचो
बोओ
उगाओ
हरियाली उगाओ
चेहरों पर
और जश्न मनाओ
आजादी का
असली
दिलकश
खूबसूरत
सदाबहार
सबके लिए।।

–अन्वेषी

सब के सब घबराए लोग।
लगते हमें पराए लोग।।

दौड़ रहे हैं भाग रहे हैं।
अपना हाल छुपाए लोग।।

कहते–कहते क्या कह डाले।
तनिक नहीं शर्माए लोग।।

प्यार बांटना भूल गए हैं।
नफरत हैं सुलगाए लोग।।

अमृत काल बड़ा सुंदर है।
गाकर हमें सुनाएं लोग।।

कर्ज हमें बेकार कर दिया।
फिर भी जश्न मनाए लोग।।

राह पकड़ कर चलने वाले।
कितना दर्द छुपाए लोग।।

परिवर्तन होना था लेकिन।
धर्म बेचकर खाए लोग।।

होना था इंसान मगर सब।
रोग यहां फैलाएं लोग।।

मानवता को दुखी कर दिए ।
भाषण हमें पिलाए लोग।।

सत्य अहिंसा गया रसातल।
झूठ यहां फैलाए लोग।।

बेमतलब बातें कह डाले।
झूठी शान दिखाएं लोग।।

शब्दों का भुर्ता कर डाले।
भाषा में कुछ गाए लोग।।

सब के सब घबराए लोग ।
लगते हमें पराए लोग ।।

–अन्वेषी

जिस तरह महाकुंभ के लिए पूरा सनातन विश्व भर से उमड़ पड़ा हैं वैसे ही देश–भर के हिंदु सनातनियों को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए, वक्फ बोर्ड समाप्त करने के लिए, सनातन बोर्ड बनाने,**UCC,NRC,** लागू करने के लिए, रोहिंग्याओ, बांग्लादेशी अवैध घूसपैठियों को हमारे देश से भगाने के लिए एकजुट होकर सड़कों पर उतरना पड़े तो उतरना है इसके के लिए तैयार रहना होगा।

पश्चिमी बंगाल, बिहार, सहित जहां कहीं भी विधानसभा, पंचायत राज,शहरी निकाय, के आम चुनाव सहित कोई भी उपचुनाव हो तो सभी सनातनियों को एकजुट होकर महाकुंभ को बदनाम करने वाले, श्रीराम का अपमान करने वाले व हिंदु सनातनियों को गालियां देनेवाली कांग्रेस, टीएमसी,आप,सपा, शिवसेना **(UBT) AIMIMK,** तेजस्वी,शरद, वामपंथी सहित सभी इंडी गठबंधन की जमानत जब्त करवाकर देश को हिंदु राष्ट्र घोषित करवाने का एक ओर महाकुंभ जैसा पवित्र स्नान करने के लिए तत्पर रहना हैं।

विश्व चकित है !!

होना भी चाहिये।
ना कोई मास्क हैं।
ना कोई दूरियां हैं।
ना कोई सैनिटाइजर्स हैं।
करोड़ों मानव एक ही नदी में एक सीमित जगह पर स्नान कर रहे हैं।
और
कोई महामारी नहीं फैल रही।
सारे कीटाणु और जीवाणु दुम दबाये पड़े हैं।

कैसी श्रद्धा है।
कैसी गंगा मां है।
कैसी आस्था है और कैसा कुंभ है।
कैसा धर्म है।
कैसा विज्ञान है।
कैसा सितारों का योग है।

जन सैलाब एक ही उद्देश्य को लेकर उमड़ रहा है।
पापों का नाश और मोक्ष की प्राप्ति।
ना कोई जात–पात का भेद।
ना कोई वर्ण का भेद।
ना कोई ब्राह्मण।
ना क्षत्रिय।
ना वैश्य।
और
ना शूद्र।
ना कोई ऊंचा ना कोई नीचा।
सब समान।

हे आधुनिक विज्ञान!

एक बार फिर से बैठ कर गहन चिंतन करो।
क्यों नहीं फैल रही महामारी?
क्या होता है मोक्ष, कोशिश करो जानने की।
क्या होते हैं पाप और पुण्य?
क्या होता है पुनर्जन्म?
जानो आधुनिक विज्ञान।
तुम्हें अभी बहुत कुछ जानना है।

झुको आस्था के आगे।
धर्म के आगे।
हो सकता है आस्था का विज्ञान, धर्म का विज्ञान तुमसे बड़ा हो?
थोड़ा झुकना सीखो आधुनिक विज्ञान।
कहते हैं झुकने से ज्ञान बढ़ता है।

सनातन धर्म की जय

मित्रों इस देश में लगभग 700-800 वर्ष तक मुसलमान होना एक प्रिविलेज, एक लाभदायक सौदा रहा है

यह फ़ायदा धीरे धीरे अगले 25 वर्ष में बदलकर घाटे का सौदा होता जाएगा।

मुसलमान यह मानकर चलता रहा था कि गुंडागर्दी, दंगा फ़साद और क़ब्ज़ेबाज़ी इत्यादि उसका जन्मसिद्ध अधिकार है।

हिंदू भी 7/8 वर्ष पूर्व तक यह मानकर चलता था।

अब मुसलमानों का संक्रमण (गिरावट) का काल शुरू हुआ है।

इस्लाम के जिस भार से बिना मतलब के हिंदुत्व का स्प्रिंग दबा हुआ था मोदी जी ने आकर उसको एक–एक कर के हटा दिया है।

जो भी परिवर्तन आप देख रहे हैं वह सब मोदीजनित राजनीतिक परिवर्तन है।

राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, धारा 370, राष्ट्रीय सुरक्षा, सिटीज़न रजिस्टर, तीन तलाक़ पर रोक, पाकिस्तान को तुरंत ईंट का जवाब पथर से देना, स्वतंत्र विदेश नीति, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, आसाम से लेकर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में हिंदुवादी सरकारों की वापसी उस क्रांति के बड़े बिंदु हैं।

अजान के बदले हनुमान चालीसा, रामनवमी पर जुलूसों का संचालन, हनुमान जयंती पर मुस्लिम इलाक़ों में भी शोभा यात्रा निकालना। ट्रिपल तलाक़ की समाप्ति, विदेशी संस्थाओं का पंजीकरण रद्द करना, श्रीलंका से ले कर अफगानिस्तान तक की भारत पर निर्भरता उसी परिवर्तन के छोटे छोटे बिंदु हैं।

इस देश में इस्लाम का स्थायी अस्तित्व तभी तक रहेगा जब तक मुसलमान होना फ़ायदे का सौदा होगा।

जैसे जैसे मुसलमान होना घाटे का सौदा होता जाएगा इस्लाम का अस्तित्व हिलने लगेगा।

जिनको देखकर आपको लगता है की ये हिंदुत्व के दुश्मन हैं, वहीं अपना पूर्वजों का हिन्दू क्छ। याद करके वापस हिंदू होने को तत्पर होंगे।

हमारे ही हिन्दू समाज के स्वार्थी, डरपोक और कुछ मजबूर लोग उधर इस्लाम की तरफ़ गए थे।

फ़ायदा दिखा तो उधर ही टिक गए।

वस्तुतः ये सुविधावादी और डरपोक लोगों का जमावड़ा है। ये आपको हिम्मती लग सकते हैं, पर ये हैं नहीं।

हाँ, ये घात लगाकर हमला करने वाले लोग है। आमने सामने नहीं अपितु भीड़ ईकट्ठा करके लड़ने वाले लोग हैं।

हिंदुत्व किसी भी अनेकतावादी भटकाव से दूर रहा तो यही लोग आपकी तरफ़ वापस आएँगे। फ़िलहाल इनके भीतर की जेहादी आबादी, हिंदुस्तान और हिंदुओं की खुली दुश्मन है।

भय के बिना यह प्रीति योग्य नहीं बनेंगे। यदि यह ये धमकी देते हैं की हमारे 56 देश हैं।

तो यह याद रखिए की इनके सभी 56 देशों की कुल सेना और अस्त्र – शस्त्र अकेले भारत की सेना और अस्त्र–शस्त्र के बराबर के भी नहीं हैं। फिर तो इनके दुश्मन यहूदी और ईसाई भी हैं।

धैर्य रखिए, छोटी छोटी बातों से घबराए नहीं। जो अपने हैं उन्हें और अपना बनाइए।

जिस दिन इस देश में मुसलमान होना एक आशीर्वाद के बजाय मुकम्मल श्राप हो जाएगा, उसी दिन इन्हें अपना हिन्दू **DNA** याद आएगा।

इसलिए सभी एक रहिए।शक्तिशाली रहिये। वीर हैं और भी वीर और राष्ट्रवादी बने।

यह **exact** आज की तारीख़ में 21 करोड़ है। और हम हिन्दू, सिख. जैन मिलाकर 112 करोड़ है। चार करोड़ इंसाई भी अपनी हिंदू जड़ों को भूले नहीं हैं। वह भी हमारे साथ ही रहेंगे। इनकी जनसंख्या की बढ़त अब कम होती जा रही है।

हिंदुत्व मे विश्वास और मज़बूत करे। जाती–वाती को तिलांजलि दे दें। सनातन अमर है और अमर रहेगा।

हिंदुओं को जगाने का हम में से हर एक व्यक्ति बीड़ा उठाएं। इस पोस्ट को और इस प्रकार की सभी पोस्ट को अपने सभी मिलने वालों और ग्रुपों में अवश्य ही भेजा किया करें और हिंदू जागरण में अपना सहयोग प्रदान करें।

भारत माता की जय।

वंदे मातरम–जय हिंद।

जयश्रीराम।

धर्म की जय हो अधर्मी का नाश हो। प्राणियों में सद्भावना हो विश्व का कल्याण हो।

गंगा, यमुना और सरस्वती माता का संगम त्रिवेणी संगम कहलाता है यह संगम हमे क्या समझा रहा है ?

गंगा मैया प्रतीक है कर्त्तव्यपरायणता का। राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए और प्रजा को घोर अकाल से बचाने के लिए कठिन तपस्या की। गंगा मैया को स्वर्ग से धरती पर लेके आए। यह एक असाधारण उदाहरण है समस्त मानव जाति को असीम पुरुषार्थ का स्मरण कराने हेतु। प्रत्येक मनुष्य असीम इच्छाशक्ति, कार्यशक्ति के साथ जन्म लेता है । दुर्भाग्यवश माया के वशीभूत होकर वह स्वयं के वास्तविक स्वरूप को भूल जाता है, स्वयं के ज्ञान से ही अपरिचित हो जाता है , स्वयं से ही विमुख होंजता है और इसीलिए दुनिया से अपनी पहचान (**validation**) चाहता है। सतत स्वयं को साबित करने में प्रयत्नशील रहता है। यही चाह , यही प्रयत्न उसके कष्ट का, पीड़ा का कारण बन जाती है। यमुना मैया राधा कृष्ण के पावन प्रेम की साक्षी है। निस्वार्थ कामनरहित प्रेम ,जिसके समक्ष हम सभी नतमस्तक है। हम सभी

अपने जीवन में ऐसे ही प्रेम की परिकल्पना करते हैं परंतु स्वयं के अहंकार के विगलन के अभाव में ये कामना भला कैसे परिपूर्ण हो?

मां सरस्वती स्वयं लुप्त होकर हमारे जीवन में ज्ञान का दीप प्रज्वलित करती हैं। मां स्वयं उदाहरण बनकर हमे समझा रही है कि व्यक्ति का कार्य ही उसकी उपस्थिति है, व्यक्ति के स्वयं का नजर आना आवश्यक नहीं। हम जब तक अपने द्वारा किए गए कार्य की सराहना चाहेंगे, स्वयं को कार्य में विलीन नहीं कर पाएंगे और कर्ता (**doer**) के रूप में सदैव दुख ही पाएंगे।

कर्ता का कर्म में और प्रेमी का प्रेम में इस तरह विलीन होना कि व्यक्ति की शारीरिक उपस्थिति का अस्तित्व ही न रह जाए। यही है अनूठा त्रिवेणी संगम जहां कर्तव्य और प्रेम के दीप को ष्ज्ञानष ,प्रज्ज्वलित करता है और जीवन से अहंकार(मैं) के विष का समापन करता है।

जीवन का दीपक रोशन होगा , तू
प्रेम से उसको भर ले
बाती बन जा, तपा तू स्वयं को
डोर कर्तव्य की थाम ले ।
(अहंकार का विनाश ही जीवन का निर्माण है)

महाकुंभ आपके जीवन में अमृत घोल दे इसी शुभकामनाओं सहित

माँ शारदे सेवा संघ द्वारा वार्षिक महोत्सव पर माँ सरस्वती पूजन

मुंबई – माँ शारदे सेवा संघ द्वारा वार्षिक महोत्सव पर माँ सरस्वती पूजन एवं चतुर्दश वसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन इंदिरा नगर नं. 3,नाहूर रोड, मुलुंड प. पर धर्मवीर सुधाकर राय एवं श्रीमती रौशनी राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष – युवा ब्रिगेड असोसिएशन, मुंबई)का शाल, श्रीफल पुष्प गुच्छ प्रदान कर सत्कार किया गया। इस महोत्सव में पूजन, संकीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन एवं महाप्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुलुंड के कई समाजसेवी एवं राजनेताओं का आगमन हुआ एवं सत्कार धर्मवीर राय द्वारा किया गया।

'मुख्यमंत्री के नाम पत्र....

माननीय योगी आदित्यनाथजी
मुख्यमंत्री (उप्र)
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

आदरणीय महोदय,

मैं आपका ध्यान सुंदरीकरण के क्रम में सड़क – चौड़ाइ संदर्भित आर्य नगर –बक्शीपुर –नखास –माया बाजार –घंटाघर के मुख्य मार्ग की चौड़ाई वृद्धि करने (जो प्रस्तावित होकर अब क्रियान्वयन के रुख में है) संदर्भित प्रकरण को आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं क्योंकि सुंदरीकरण में लगभग 4000 से 5000 छोटी –बड़ी दुकानें ध्वस्त और लोग बेरोजगार हो जाएंगे. ज्यादातर आर्थिक रूप से जूझ रहे लगभग 3000+ लोग (जिन लोगों में छोटे–छोटे दुकान वाले आर्थिक रूप से जूझ रहे ज्यादा है) इसमें शामिल है. इतना ही नहीं अधिकांश मकान जो बाहर के खभों पर टिके हुए हैं या जर्जर स्थिति में है, पूरे मकान गिर जाएंगे. इस सुंदरीकरण से जनता का बहुत आर्थिक और रोजगार दृष्टिकोण से नुकसान तो होगा ही अपितु डैमेज भी होगा. अब कई परिवारों को रोटी के लाले पड़ जाएंगे. इस सौंदरीकरण के उपरांत भी विशेष लाभ भी नहीं होगा क्योंकि पुराने गोरखपुर का हिस्सा पतला होने के कारण न तो यातायात का कोई बढ़ावा मिलेगा और नहीं बड़े वाहन की चल पाएंगे. सिर्फ 8–10 बड़े–बड़े उद्योगपतियों/बड़े–बड़े व्यवसाईयों को ही प्रतिदिन बड़े–बड़े ट्रांजैक्शन करने के लिए फायदा होगा...

सबसे बड़ी बात यह है कि सुंदरीकरण के उपरांत भी पूरा सड़क टू–वे नहीं हो सकता है . अतः आपसे अनुरोध है अप प्रस्ताव (जो अब अंतिम रूप में है) पर जनता का ध्यान गंभीरता से लेते हुए सुंदरीकरण व चौड़ाइकरण के प्रस्ताव को एक बार गंभीरता से पुनरावलोकन (**Review**) कर निरस्त करने की आज्ञा प्रदान करें. समस्त नागरिक आपसे अपेक्षाएं रखते हैं.

ससम्मान प्रेषित...

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार
सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)..

विकसित भारत बनाने को तन-मन से काम करें श्रमिक

उपजा के तत्वाध्यान में आयोजित श्रमिक सम्मेलन में किया आवाहन

जागरूक एवं संगठित हों श्रमिक तभी मिलेगा योजनाओं का लाभ

श्रम विभाग ने 10 श्रमिकों को दिए योजनाओं के प्रमाण पत्र

अलीगढ। उत्तर प्रदेश जर्नलिस्टस एसोसिएषन के तत्वावधान में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन रविवार को राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी परिसर स्थित कृष्णांजलि नाट्यशाला में किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमएलसी डॉक्टर मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने और विशिष्ट अतिथि महापौर प्रशांत सिंघल ने मां शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं उनके समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। सम्मेलन की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश जर्नलिस्टस एसोसिएषन के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने की और संचालन ट्रेड यूनियन महासंघ के अध्यक्ष डॉ० राकेश सक्सेना एवं न्डिन के संयोजक प्रदीप चौहान ने किया। इस अवसर पर अटल विद्यालय की छात्राओं ने मां शारदे की वंदना की। उपजा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शर्मा एवं कोषाध्यक्ष तेजवीर सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत शाल ओढाकर एवं माल्यार्पण कर किया। मुख्य अतिथि एमएलसी डॉक्टर मानवेंद्र प्रताप सिंह ने श्रमिकों का आवाहन किया के अगर भारत को विकसित देश बनाना है तो तन–मन से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चाहे जो मजबूरी हो मांग हमारी पूरी हो वाले नारे को छोड़कर अब नारा होना चाहिए कि देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम। अगर श्रमिकों की यह सोच होगी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अखंड भारत का सपना पूरा होगा।

विशिष्ट अतिथि महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा के श्रमिक ही देश की प्रगति के वाहक हैं। श्रमिकों की मेहनत और ताकत के बल पर हमारा देश विश्व में दिनों दिन तरक्की कर रहा है। किसी भी इंडस्ट्री के बेहतर संचालन में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रधानमंत्री मोदी का सपना श्रमिकों के सहयोग से ही पूरा हो सकता है।

मुख्य वक्ता भारतीय मजदूर संघ के प्रांतीय संगठन मंत्री शंकरलाल ने कहा कि इससे बड़ी विडंबना की बात और क्या हो सकती है कि न्यूनतम वेतन के लिए भी श्रमिकों को लड़ना पड़ रहा है। उद्योग श्रमिकों के शोषण का अड्डा बन गए हैं। सरकार ने कागजों में तो वेतन तय कर दिया है लेकिन आधा वेतन ही मिल रहा है और काम दोगुना लिया जा रहा है। श्रमिक संगठनो के कमजोर होने के कारण उद्योगपति और सरकारे अनुचित लाभ उठा रहे हैं।

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश जर्नलिस्टस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने श्रमिकों को सलाह दी कि जब तक बच्चा रोता नहीं है तब तक मां भी दूध नहीं पिलाती है इसलिए श्रमिक और उनके संगठन संगठित होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाएं और सभी तथ्यों सहित अपनी मांगों को मंनवाने के लिए जागरूक हों। क्योंकि सभी जिम्मेदारी श्रम विभाग की नहीं होती बल्कि श्रमिकों का भी कर्तव्य बनता है कि वह अपने व्यक्तिगत स्वार्थ छोड़कर एकजुट हों। और संघर्ष करने के लिए आगे आएं। वह स्वयं श्रमिकों के साथ कन्धे से कंधा मिलाकर कार्य करने को तत्पर हैं। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष सतीश बाबू जादौन ने मांग की कि अगर सरकार सच्चे मायनों में श्रमिकों को योजनाओं का लाभ देना चाहती है तो श्रम न्यायालय की स्थापना आगरा के बजाय अलीगढ़ में की जाए। उन्होंने श्रमिकों की खस्ता हालत पर कहा कि अगर श्रमिक आवाज उठाता है तो उसको नौकरी से निकाल दिया जाता है। अथवा मुकदमा लड़ने को इतना मजबूर कर दिया जाता है कि वह थक हारकर घर बैठ जाता है। श्रमिकों को अपने हितों की जानकारी नहीं है इसीलिए वह योजना का लाभ नहीं ले पाते हैं। आई०ए०एल० के अध्यक्ष चंद्रशेखर दीक्षित एडवोकेट ने कहा कि सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है इसलिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार को जागरूक होना चाहिए। मजदूरों के बच्चों की शिक्षा का स्तर सुधारा जाए और श्रमिक संगठनो का विखंडन रोका जाए। भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख अजय अग्रवाल ने कहा कि अगर श्रमिक हड़ताल करते हैं तो उन्हें सस्पेंड कर दिया जाता है, ट्रांसफर कर दिया जाता है और थ्त् भी करा दी जाती है। यही कारण है कि श्रमिक अपना मुंह बंद करने पर मजबूर हो जाता है। श्रम विभाग को चाहिए कि वह श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आए। सम्मेलन में सहायक श्रम आयुक्त शेर सिंह ने सरकार की ओर से श्रमिकों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि अगर न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है तो श्रमिक श्रम विभाग के कार्यालय में आकर केस दर्ज करवा सकते हैं। उन्हें वेतन के साथ–साथ पेनल्टी का भी भुगतान कराया जाएगा। पूरा मुआवजा लेने के लिए फैक्ट्री में दुर्घटना होने पर तत्काल थ्त् कराएं। उन्होंने इस अवसर पर सरकार की ओर से चलाई जा रही कन्या विवाह योजना तथा मातृत्व लाभ योजना के अंतर्गत 10 श्रमिकों को सहायता राशि के प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर देव मिश्रा, विनोद शर्मा, चंद्रभान शर्मा, शिक्षाविद गिर्राज किशोर, डॉ० जावेद, बैंक ऑफिसर्स संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष सूर्यकांत सेंगर, भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री सुशील शर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में रवि कुमार सिंह, जगदीश प्रसाद शर्मा, रोहित सारस्वत, प्रेमपाल सिंह, उमेश शर्मा, संगम सिंह, विशंभर सिंह, अशोक, धर्मेंद्र बघेल, हरेंद्र पाल छाया मिश्रा आदि ने सहयोग किया।

भक्त और भगवान का मिलन है सुदामा चरित

जिन्होंने दे दी दो मुट्ठी चावल के बदले दो लोक की संपदा

संत राजकृष्ण शास्त्री

नवी मुंबई संवाददाता। आज भी कृष्ण– सुदामा की मित्रता मिसाल के तौर पर दी जाती है ।जिन्होंने दो मुट्ठी चावल के बदले दे दी दो लोक की संपदा ।कथा प्रसंग में ब्रज की होली पर विशेष प्रकाश डाला गया । भागवताचार्य कथा व्यास पं 0 राजकृष्ण शास्त्री ने सातवें दिन की विश्राम पर कोपरखैरणे के विश्व भारती इंग्लिश स्कूल ऐंड कनिष्ठ महाविद्यालय में सुन्दर प्रसंग पर श्रोताओ के हृदय में स्थान बना लिया । कथा के प्रारम्भ में ब्रज की प्रसिद्ध होली पहले कृष्ण –राधा और ग्वालों के बीच खेली गई ।आज भी लड्डू होली, लट्ठमार होली, फूलों की होली,और रंग अबीर की होली ब्रज मंडल में खेलने के लिए लोकप्रिय है ।लेकिन कथा में फूलों की होली ही खेलकर जनमानस को आकृष्ट किया गया । कथा बढाते हुए कृष्ण सुदामा की मित्रता पर बताया कि उज्जैन में संदीपनी ऋषि के गुरूकुल में दोनों ने शिक्षा ग्रहण की ।सुदामा गरीब बाह्मण थे ।वे प्रतिदिन दो घरों से मिलने वाली भिक्षा से परिवार का गुजारा करते ।जब कभी भिक्षा में कुछ न मिलता तो परिवार के साथ भूखे ही रह जाते ।ऐसा करीब आधे महीने चलता अर्थात 15 दिन एकादशी व्रत जैसा गुजारते । एक दिन सुदामा की पत्नी को पडोसन से पता चला कि कृष्ण सुदामा के बचपन के मित्र हैं वे द्वारिकाधीश भी हैं जाकर उनसे मिले शायद वे कुछ मदद कर गरीबी जीवन से मुक्ति दे दें । इसी इरादें से सुशीला ने दो घरों से मिले चावल भेंट करने कृष्ण के पास भेजा ।कृष्ण ने उसी दो मुट्ठी चावल के बदले दो लोक की संपदा दे दी ।भगवान ने विश्वकर्मा को आदेश दिया कि सुदामा के लिए सुन्दर महल बनवाये जहां उनका मित्र शान्ति से आगे का जीवन व्यतीत कर सके ।सुशीला ने अपने महल जैसा अपने पडोस और पूरे गाँव को महल बना देने का आग्रह किया जिसे विश्वकर्मा ने मान लिया ।और सुन्दर महलों को रच कर समर्पित कर दिया । इस मार्मिक दृश्य का वर्णन सुनकर श्रोताओ को रूला दिया ।सुन्दर झाँकी के माध्यम से लोगों को अश्रु बहाने को मजबूर होना पडा । आज भी दोनों की मित्रता मिसाल के तौर पर दी जाती है । सभी भक्तों ने भजनों में खूब आनंद उठाया ।अरे द्वारपालो, कन्हैया से कह दो , दर पे सुदामा गरीब आ गया है। करीब हजारों की संख्या में पधारें भक्तों ने भण्डारे प्रसाद का लाभ उठाया । विद्यालय प्रबंधक संजीव सिंह ने अगले बर्ष और सुन्दर आयोजन का संकल्प लिया ।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।

सोच अच्छी ख़बर सच्ची